मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 211, मुंबई, शुक्रवार, 30 सितंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

मुंबई हवाई अड्डा पर 13 करोड़ रुपये की ब्लैक कोकीन के साथ बोलीवियाई महिला गिरफ्तार

मुंबई। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से एक बोलीवियाई महिला को 13 करोड़ रुपये मूल्य की 3.2 किलोग्राम 'ब्लैक कोकीन' के साथ गिरफ्तार किया। एनसीबी के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बोलीविया की महिला को सोमवार को गिरफ्तार किया गया और उसके पास से ब्राजील से लाया गया प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद किया गया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

'मत करवाओ फजीहत'

सीएम शिंदे ने बोल-बच्चन वाले नेताओं को दी कम बोलने की नसीहत

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंत्री तानाजी सावंत समेत अपने ही गुट के लोगों को ज्यादा बोलने की वजह से फटकार लगाई है। सीएम ने उन्हें ये नसीहत दी है कि वे ज्यादा बोल-बच्चनगिरी करके अपनी ही फजीहत करवा रहे हैं। इस सेल्फगोल करने की आदत से शिंदे-फडणवीस सरकार की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। बुधवार को शिंदे गुट की एक अहम बैठक में सीएम शिंदे ने अपने वाचालवीरों को लताड़ लगाते हुए कहा कि, जब मैं खुद हर मामले में बोलने से बच रहा हूं तो बाकी लोग क्यों बढ़-चढ़ कर बयान दे रहे हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

तानाजी सावंत परेशानियां पैदा करते हैं अनंत

पत्रकारों ने जब मंत्री तानाजी सावंत से पूछा कि बालासाहेब ठाकरे का साया समझे जाने वाले चंपासिंह थापा शिंदे गुट के समर्थन में आ गए हैं, इस बारे में उनका क्या खयाल है। तो उन्होंने कहा कि, अच्छा? मैंने तो अभी तक देखा नहीं। दशहरा रैली को लेकर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा, दशहरा रैली तो सिर्फ बालासाहेब ठाकरे की ही होगी। इसके बाद तानाजी सावंत को चुप रहने को कह दिया गया है।

शिंदे सरकार के मंत्री अपने बयान से करवाते रहे हैं नुकसानः कुछ दिनों पहले मराठा आरक्षण के मुद्दे पर बोलते हुए स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत की जीभ फिसल गई थी। इसके बाद काफी विवाद हुआ था। आखिर में तानाजी सावंत को मराठा समाज से खुलेआम माफी मांगनी पड़ी थी। इसी तरह मानसून सत्र में विपक्ष के सवालों का जवाब देते वक्त और हाफकिन इंस्टीट्यूट के बारे में भी बयान देते वक्त वे कुछ उटपटांग बोल गए थे। इस वजह से वे गलत वजहों से चर्चा में आए थे।

'महाराष्ट्र में फिर सत्ता में शरद पवार, बस एक दौरे की दरकार'

सुप्रिया सुले का बड़ा बयान

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में फिर एक बार सत्ता में लौटेंगे शरद पवार, बस राज्य भर के एक दौरे की है दरकार। यह दावा एनसीपी नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने किया है। उनके मुताबिक शरद पवार जब भी महाराष्ट्र का दौरा करते हैं, सत्ता में लौटते हैं। शरद पवार सत्ता में रहते हैं, तो राजधानी में जमे रहते हैं, जैसे ही विपक्ष में आते हैं, महाराष्ट्र दौरे पर निकल जाते हैं। राज्य भर के सफल दौरे के बाद वे फिर सत्ता में लौट आते हैं। शरद पवार की सफलता का यही सीक्रेट है जो सुप्रिया सुले ने शेयर किया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

अबॉर्शन पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

पत्नी जबरन संबंध बनाने से प्रेग्नेंट हुई तो गर्भपात की हकदार, विवाहित-अविवाहित में भेद करना असंवैधानिक

मुंबई हलचल / संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को गर्भपात पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया। अदालत ने सभी महिलाओं को गर्भपात का अधिकार दे दिया, फिर चाहें वो विवाहित हों या अविवाहित। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के तहत 22 से 24 हफ्ते तक गर्भपात का हक सभी को है। बेंच की अगुआई कर रहे जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि ये दकियानूसी धारणा है कि सिर्फ शादीशुदा महिलाएं ही सेक्शुअली एक्टिव रहती हैं। अबॉर्शन के अधिकार में महिला के विवाहित या अविवाहित होने से फर्क नहीं पड़ता। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट में मैरिटल रेप को शामिल किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि अगर जबरन सेक्स की वजह से पत्नी गर्भवती होती है तो उसे सेफ और लीगल अबॉर्शन का हक है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

प्रतिबंध के बाद

सद्भाव की राह छोड़कर कट्टरता का प्रसार करने वाले किसी भी संगठन पर प्रतिबंध स्वागत योग्य कदम ही कहा जाएगा। पिछले दिनों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं और एनआईए व अन्य सुरक्षा एजेंसियां लगातार जांच व धरपकड़ में लगी थीं। ऐसे 19 मामले हैं, जिनके तार पीएफआई से जुड़े बताए जाते हैं। मंगलवार को भी इस संगठन के 170 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। उसके बाद ही गृह मंत्रालय ने पीएफआई और उसके सहयोगी संगठनों पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगाया है। आतंकी जुड़ाव को लेकर यह कार्रवाई की गई है और कई राज्यों ने केंद्र सरकार से पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। सबसे पहले साल 2012 में केरल ने इस संगठन पर संदेह जताया था। देश को सुरक्षित रखने के लिए ऐसी कार्रवाइयां समय-समय पर होती रही हैं। एक समय देश में खूब आतंकी हमले होते थे और उनके पीछे ऐसे अन्य कट्टरपंथी संगठनों का नाम आता था। स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) पर साल 2001 में प्रतिबंध लगाया गया था और साल 2008 में भी सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिबंध बनाए रखने के लिए कहा। बताया जाता है कि पीएफआई में सिमी सहित तीन अन्य संगठनों के कार्यकर्ता शामिल हो गए थे। इधर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के कारण यह संगठन अपने जैसे अन्य संगठनों के साथ मिलकर लगातार सरकार की तीखी आलोचना में जुटा था। गृह मंत्रालय का साफ कहना है कि ठोस सुबूत मिलने और एजेंसियों की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई है। वैसे इस प्रतिबंध को अदालती चुनौती देने का रास्ता खुला है, पर पीएफआई के कार्यकर्ताओं के लिए मुश्किलें तब बढ़ेंगी, जब उनके खिलाफ सुरक्षा एजेंसियां अकाट्य प्रमाण पेश करेंगी। आतंकवाद से किसी के प्रत्यक्ष या परोक्ष संबंध को हल्के में नहीं लिया जा सकता। पीएफआई अगर किसी देश विरोधी आपराधिक और आतंकी मामले में शामिल नहीं रहा है, तो उसे अदालत में यह साबित करना होगा। उसे साबित करना होगा कि यह संगठन भारत के लिए किसी प्रकार से खतरा नहीं है और उसे बाहरी स्त्रोतों से जायज धन व संविधान सम्मत समर्थन मिल रहा है। क्या पीएफआई खाड़ी के देशों में भारत के खिलाफ एजेंडा चलाकर धन जुटाता है? आरोप है कि वह विदेश में एक अखबार चलाता है, जिसका नाम तेजस गल्फ डेली है, जो कट्टरपंथ को हवा देने का काम करता है। इसमें कोई शक नहीं कि कट्टरता के खिलाफ भारत में सतत अभियान चलाने की जरूरत है। सुरक्षा एजेंसियां इस काम को अंजाम देती रही हैं, पर उन्हें ज्यादा मुस्तैदी से काम करना होगा। दुनिया की नजर भारत पर है। जो देश अपने यहां कट्टर नीतियों का अनुसरण करते हैं, वे भी भारत से उदारता या धर्मनिरपेक्षता की उम्मीद करते हैं। भारत अपनी स्थापित छवि के अनुरूप आचरण करे, इससे बेहतर और कुछ हो नहीं सकता। धर्म के नाम पर बनने या चलने वाले संगठनों को विशेष रूप से संविधान पर गौर करना चाहिए। ऐसे संगठन चाहे किसी भी धार्मिक दायरे में आते हों, उनकी जिम्मेदारी है कि वे परस्पर द्वेष फैलाने के बजाय अपने समाज का सुधार करें, अपने समाज को सद्भावी बनाएं। नफरत या बदला आधारित देश बनाने की साजिश करना किसी के हित में नहीं है। बेशक, अपने समाज या देश के साथ गलत करने वाले सजा पाएंगे, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों को ध्यान रखना होगा कि किसी भी निर्दोष को कठघरे में न खड़ा होना पड़े।

अपना ही किया भुगत रही हैं सोनिया

सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर जिन नेताओं को मजबूत किया और राज्यों की कमान पूरी तरह से उनके हाथ में सौंपे रखी वे नेता भी उनके साथ तभी तक हैं, जब तक वे उनको अपनी मर्जी से काम करने दे रही हैं। अगर सोनिया किसी के काम में दखल देती हैं तो या तो वह पार्टी छोड़ देता है या अपनी ताकत का प्रदर्शन करता है। सोनिया और राहुल के लिए इसका सीधा संदेश यह है कि वे कांग्रेस के प्रादेशिक क्षत्रपों के औपचारिक प्रमुख के तौर पर दिल्ली में रहें और उनके कामकाज में दखल न दें। यह स्थिति तभी बदलेगी, जब सोनिया और राहुल फिर से कांग्रेस को चुनाव जिताना शुरू करेंगे।

आलाकमान हो तो भाजपा की तरह वरना न हो! राजस्थान कांग्रेस में चल रहे सियासी घमासान के बीच गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपानी ने एक इंटरव्यू में कहा है कि उनको एक रात पहले आलाकमान की ओर से मैसेज किया गया कि वे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दें और उन्होंने दे दिया। रुपानी ने यह भी कहा कि उन्होंने न कारण पूछा और न उनको कारण बताया गया। उन्होंने कहा कि वे पूछते तो हो सकता है कि कारण बताया जाता है लेकिन उन्होंने पूछा नहीं। यह होती है आलाकमान की धमक! किसी जमाने में कांग्रेस का आलाकमान भी ऐसा ही हुआ करता था। दिल्ली से आलाकमान का दूत राज्यों की राजधानी में पहुंचता तो हड़कंप मच जाता था। प्रदेश के सारे तुर्रम खां नेता उस महासचिव या आलाकमान के दूत को खुश करने में लगे रहते थे। आलाकमान की ओर से दिया गया एक लाइन का निर्देश ब्रह्मा जी की खींची लकीर की तरह होता था। उस निर्देश का उल्लंघन नहीं किया जा सकता था।

अब स्थिति यह है कि कांग्रेस आलाकमान के किसी भी निर्देश की कोई परवाह किसी प्रादेशिक क्षत्रप को नहीं है। कांग्रेस का कोई नेता आलाकमान की बात को तरजीह नहीं देता है। आमतौर पर कहा जा रहा है कि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद कांग्रेस की ऐसी स्थिति हुई है। लेकिन ऐसा मानना अधूरा आकलन होगा। यह सही है कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से कांग्रेस का ग्राफ लगातार गिरता जा रहा है। नेहरू-गांधी परिवार कोई चमत्कार नहीं कर पा रहा है। सोनिया और राहुल गांधी न तो कांग्रेस को चुनाव जीता पा रहे हैं और न कांग्रेस को एकजुट रख पा रहे हैं। लेकिन यह स्थिति आने से बहुत पहले सोनिया गांधी ने बतौर अध्यक्ष कांग्रेस की पारंपरिक राजनीति को इस तरह से बदल दिया था कि देर सबेर उनके हाथ से पार्टी को फिसलना ही था। कमान उनके हाथ से निकलनी ही थी। सोचें, सोनिया गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने से पहले कब आखिरी बार किसी मुख्यमंत्री ने अपना कार्यकाल पूरा किया था? दिग्विजय सिंह जैसे दो-चार अपवाद मिलेंगे। आजादी से बाद से कांग्रेस आलाकमान ने कभी भी किसी मुख्यमंत्री को कार्यकाल पूरा नहीं करने दिया। लंबे समय तक कोई भी नेता एक पद पर नहीं रह पाता था। किसी नेता को इतना ताकतवर नहीं होने दिया जाता था कि वह किसी मुकाम पर आलाकमान को आंख दिखा सके। हालांकि तब आलाकमान की अपनी हैसियत भी थी और उसका करिश्मा था इसके बावजूद यह सावधानी बरती जाती थी। क्योंकि उस समय के नेता और उनके सलाहकार इस सत्य को जानते थे कि राजनीति में अपनी परछाई पर भी भरोसा नहीं किया जा सकता है। राजनीति में कोई सगा नहीं होता है और कोई पराया भी नहीं होता है। सारे अपने होते हैं और सारे पराए होते हैं। लेकिन सोनिया गांधी ने इस पारंपरिक नियम को तोड़ा। उनको किसी ने अहसास नहीं दिलाया कि लंबे समय में यह राजनीति उनको नुकसान पहुंचाएगी। उनके प्रति पार्टी का आदर, सम्मान तभी तक है, जब तक वे चुनाव जिताती रहेंगी। जिस दिन चुनाव जिताने की क्षमता कम होगी या खत्म होगी उस दिन आलाकमान की सारी हैसियत भी खत्म हो जाएगी। वहीं हुआ है। सवाल है कि पार्टी आलाकमान के लिए जब सारे नेता एक समान होते हैं फिर सोनिया गांधी ने यह मैसेज क्यों बनने दिया कि कुछ नेता उनको ज्यादा प्रिय हैं? क्यों उन्होंने घूम फिर कर उन्हीं चुनिंदा नेताओं के हाथ में सब कुछ दिए रखा? वे राजनीति का यह कार्डिनल रूल कैसे भूल गईं कि किसी पर भरोसा नहीं करना है? यह कितनी हैरानी की बात है कि जिस कांग्रेस में कोई मुख्यमंत्री एक कार्यकाल पूरा नहीं कर पाता था उस कांग्रेस को पिछले 24 साल में राजस्थान में तीन बार सरकार बनाने का मौका मिला और तीनों बार एक ही व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया गया। दिल्ली में कांग्रेस 15 साल सत्ता में रही और पूरे 15 साल शीला दीक्षित ही मुख्यमंत्री रहीं। पंजाब में 2002 में कांग्रेस की सरकार बनी तो कैप्टेन अमरिंदर सिंह मुख्यमंत्री बने। उनका पांच साल का कार्यकाल खत्म होने के बाद 10 साल तक कांग्रेस सत्ता में नहीं आई। लेकिन 10 साल बाद जब कांग्रेस को सत्ता मिली तो फिर वहीं अमरिंदर सिंह मुख्यमंत्री बने। असम में लगातार 15 साल तक तरुण गोगोई को मुख्यमंत्री बना कर रखा गया। हरियाणा में भूपेंदर सिंह हुड्डा लगातार 10 साल मुख्यमंत्री बने रहे। बदले में इन नेताओं से सोनिया गांधी को क्या मिला? उन्होंने जिन लोगों को सबसे प्रिय माना उन्होंने उनका साथ नहीं दिया और पार्टी का भट्ठा बैठा दिया वो अलग!

सोनिया गांधी ने राज्यों में चुनिंदा नेताओं को इतना मजबूत होने दिया कि वे आलाकमान के कंट्रोल से बाहर हो गए। उन्होंने प्रदेश में पार्टी को अपनी जागीर बना डाली और अपने हिसाब से काम करने लगे। हरियाणा में नौ साल के बाद 2005 में कांग्रेस जीती थी तो उसकी जीत के आर्किटेक्ट भूपेंदर सिंह हुड्डा नहीं थे। भजनलाल की कमान में पार्टी जीती थी। लेकिन सोनिया गांधी ने हुड्डा को सीएम बनाया और 10 साल तक बनाए रखा। इसका नतीजा यह हुआ है कि हुड्डा ने हरियाणा में पार्टी को जेबी संगठन बना लिया। 2016 के राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस आलाकमान ने उनकी पसंद का उम्मीदवार नहीं दिया तो गलत पेन के इस्तेमाल की वजह से 14 विधायकों के वोट अवैध हो गए और भाजपा समर्थित सुभाष चंद्र चुनाव जीत गए। पार्टी हुड्डा के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकी। 2019 के लोकसभा चुनाव में हुड्डा पिता-पुत्र दोनों लोकसभा का चुनाव हार गए इसके बाद 2020 में आलाकमान की बांह मरोड़ कर हुड्डा ने अपने बेटे के लिए राज्यसभा ले ली। उन्होंने 2016 जैसे नतीजे की धमकी देकर अपने बेटे के लिए टिकट ली। 2022 में फिर आलाकमान का राज्यसभा उम्मीदवार हार गया। राजस्थान में यही कहानी दोहराई गई है।

सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर जिन नेताओं को मजबूत किया और राज्यों की कमान पूरी तरह से उनके हाथ में सौंपे रखी वे नेता भी उनके साथ तभी तक हैं, जब तक वे उनको अपनी मर्जी से काम करने दे रही हैं। अगर सोनिया किसी के काम में दखल देती हैं तो या तो वह पार्टी छोड़ देता है या अपनी ताकत का प्रदर्शन करता है। सोनिया और राहुल के लिए इसका सीधा संदेश यह है कि वे कांग्रेस के प्रादेशिक क्षत्रपों के औपचारिक प्रमुख के तौर पर दिल्ली में रहें और उनके कामकाज में दखल न दें। यह स्थिति तभी बदलेगी, जब सोनिया और राहुल फिर से कांग्रेस को चुनाव जिताना शुरू करेंगे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

भारत स्कूल और डफोडिल्स स्कूल के पास बना कचरा डंपिंग ग्राउंड

छात्रों के अभिभावक छात्र के स्वस्थ को लेकर हो रहे परेशान

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। कौसा चांद नगर स्थित भारत स्कूल और डफोडिल्स स्कूल के पास कचरा डंपिंग ग्राउंड बनने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में भारत स्कूल और डफोडिल्स स्कूल में शिक्षा ले रहे छात्रों के अभिभावकों में भारी मात्रा में आक्रोश नजर आ रहा है कारण यह है जिस तरह से दोनों स्कूलों के सामने भारी मात्रा में कचरा डंपिंग स्थानीय रहवासी द्वारा किया जा रहा है उसको लेकर छात्रों के अभिभावकों में डर का माहौल बना हुआ है क्योंकि कचरों और गंदगी की कारण बड़ी बीमारियां उत्पन्न हो सकती है डेंगू मलेरिया टाइफाइड जैसी प्राण घातक बीमारियां कभी भी इन कचरों की कारण उत्पन्न हो सकती हैं इसको लेकर छात्रों के अभिभावकों में आक्रोश दिखाई दे रहा है बताया जा रहा है स्कूल प्रशासन द्वारा कचरा डंपिंग ग्राउंड की शिकायत पत्र कई मर्तबा मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग

समिति में की गई है और स्थानीय रहवासियों का कहना है कचरे की गाड़ी आती है लेकिन छोटी आती है और कचरा भरने वाले जितना कचरा उनकी गाड़ी में आता है उतना भरते हैं और बाकी छोड़कर चले जाते हैं जिससे भारी मात्रा में दुर्गंध आती है कि कोई भी व्यक्ति दो मिनट तक भी उस जगह पर खड़े नहीं रह सकता सवाल यह पैदा होता है जहां पर दो स्कूल है वहां पर कचरा डंपिंग करने की आवश्यकता क्या है क्या वहां के समाज सेवक जो ब्यूटीफिकेशन का दावा करते हैं और कहते हैं चांद नगर लावारिस नहीं है तो क्यों ध्यान नहीं दिया जा रहा है क्या उनको नजर नहीं आता कि स्कूल के सामने कचरा डंपिंग ग्राउंड बना हुआ है वहां पर ब्यूटीफिकेशन कर दिया जाए स्कूली छात्राओं के अभिभावक द्वारा कहा जा रहा है कि स्कूल के सामने समाज सेवकों द्वारा अखबार पढ़ने की बेंच लगा दी जाए ताकि कोई भी स्थानीय रहवासी उस जगह पर कचरा ही नहीं डालेगा और स्थानीय रहवासियों को सख्त निर्देश दिए जाएं कि कचरा अपने घर के कूड़ेदान में डालें और जब कचरे की घंटा गाड़ी आ जाए उसमें ही कचरा फेंके जब कचरा नहीं डालेगा तो गंदगी का सवाल ही पैदा नहीं होता लेकिन यह करे तो करे कौन तो हम स्थानीय समाज सेवक से निवेदन करते हैं की चांद नगर भारत स्कूल और डफोडिल्स स्कूल के पास बने कचरा डंपिंग ग्राउंड का संज्ञान ले और बेहतर इस समस्या का समाधान निकालें ताकि स्कूल पढ़ने जा रहे बच्चों को कचरों के कारण किसी प्रकार की कोई बीमारी का शिकार ना होना पड़े और छात्रों के अभिभावकों को भी राहत मिल सके।

भगवा ध्वज दिल में होना चाहिए, केवल हाथ में नहीं: उद्धव ठाकरे

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले धड़े पर तंज करते हुए कहा कि भगवा ध्वज किसी व्यक्ति के दिल में होना चाहिए, केवल हाथ में नहीं। भाजपा और शिंदे धड़ा अक्सर ठाकरे पर आरोप लगाता रहा है कि वह सत्ता बचाने के लिए कांग्रेस और राष्ट्रवादी

कांग्रेस पार्टी (रांकपा) से हाथ मिलाकर हिंदुत्व की विचारधारा से समझौता कर रहे हैं। अपने आवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा, देश में लोकतंत्र और हिंदुत्व के संरक्षण के लिए हमें भगवान की ओर से दिया गया यह एक अवसर है। भगवा दल केवल किसी व्यक्ति के हाथ में नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे व्यक्ति के दिल में होना चाहिए।

नालासोपारा में महिला पुलिसकर्मी को कुचलने की कोशिश, पति-पत्नी गिरफ्तार

मुंबई। नालासोपारा में अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां पुलिस स्टेशन क्षेत्र के पाटनकर पार्क स्थित ट्रैफिक पुलिस के गोदाम में एक पति-पत्नी ने वहां ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मी को बाइक से कुचलने की कोशिश की। इस हादसे में पुलिसकर्मी के हाथ और पैर पर गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने आरोपी पति और पत्नी के खिलाफ अलग-अलग धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कया है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार भी कर लिया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पेशे से वकील है। जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर बृजेश कुमार देवेंद्र कुमार भेलौरिया ने अपनी बाइक नो-पार्किंग जोन में लगाई थी। ट्रैफिक पुलिस ने बाइक को टोइंग करके उसे गोदाम में जमा कर दी। दोपहर एक बजे भेलौरिया और उसकी पत्नी डॉली कुमारी सिंह भेलौरिया गोदाम में पहुंचे और वहां ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मी प्रज्ञा शिवराम दलवी के साथ गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि भेलौरिया बिना फाइन जमा कराए बाइक लेकर जाने लगे। इस बीच पुलिसकर्मी दलवी ने उसे रोकने की कोशिश की। पुलिस का आरोप है कि भेलौरिया ने पुलसिकर्मी को बाइक से उसे कुचलने की कोशिश की। इससे दलवी के हाथ-पैरों पर गंभीर चोटें आई है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई हवाई अड्डा पर 13 करोड़ रुपये की ब्लैक कोकीन के साथ बोलीवियाई महिला गिरफ्तार

अधिकारी ने कहा कि इसके बाद एनसीबी ने नाइजीरिया के एक नागरिक को गोवा से गिरफ्तार किया जिस पर विभिन्न राज्यों में मादक पदार्थ की आपूर्ति करने का आरोप है। कोकीन में अन्य पदार्थ मिलाकर उसे काला (ब्लैक) कोकीन बनाया जाता है ताकि धातु मोल्ड के रूप में या किसी और स्वरूप में उसकी तस्करी की जा सके और मादक पदार्थ रोधी एजेंसियों की नजर से बचाया जा सके। अधिकारी ने कहा, इस संबंध में तीन दिन तक अभियान चलाया गया। बोलीविया की महिला ब्राजील से गोवा की यात्रा कर रही थी और इस दौरान वह अदिस अबाबा, इथोपिया और मुंबई में रुकी थी। उन्होंने कहा कि महिला मुंबई से गोवा के विमान पर सवार होने वाली थी जब उसे गिरफ्तार कर लिया गया और तलाशी के दौरान मादक पदार्थ बरामद किया गया।

'मत करवाओ फजीहत'

सीएम शिंदे ने साफ तौर से अपने गुट के नेताओं और विधायकों से कहा कि शिवसेना के चुनाव चिन्ह को लेकर बिना वजह ज्यादा बात करने की जरूरत नहीं है। जितना वे कम बोलेंगे, उतने कम विवाद होंगे। चमकोगिरी के चक्कर में ज्यादा बोलकर वे अपना और पार्टी का नुकसान कर रहे हैं। ना सिर्फ तानाजी सावंत बल्कि शिंदे गुट के ज्यादा बोलने वाले बाकी नेताओं के मुंह पर भी अगले कुछ दिनों तक के लिए अघोषित तालाबंदी लागू कर दी गई है। यही वजह है कि बुधवार को तानाजी सावंत से पत्रकारों ने बात करने की कोशिश की तो वे हर सवाल का जवाब 'मुझे पता नहीं', 'नो कमेंट्स' कह कर दे रहे थे और अपनी जबान पर लगाम थामे हुए थे।

सुप्रिया सुले का बड़ा बयान

सुप्रिया सुले इंदापुर में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रही थीं। उन्होंने कहा, चुनाव क्या होता है, हमसे ज्यादा किसी और ने नहीं देखा है। शरद पवार के 55 साल के राजनीतिक करियर को देखें तो इस डगर में जितने शिखर हैं, उतने ही भंवर हैं। 55 साल में वे 27 साल सत्ता में और 27 साल विपक्ष में रहे। दोनों ही दौर में महाराष्ट्र ने उन्हें अपार प्रेम दिया है।वे भी जहां रहे, महाराष्ट्र उनके दिल से कभी दूर नहीं गया है। सुप्रिया सुले ने कहा, शरद पवार जब-जब विपक्ष में आते हैं, दौरे पर निकल जाते हैं। जब-जब दौरे पर जाते हैं, सत्ता में लौट आते हैं। उनके महाराष्ट्र दौरे में ऐसा क्या घटता है, मुझे अब तक पता नहीं चल पाया है। पर यह जरूर पता है कि अब तक ऐसा ही होता आया है। एनसीपी सांसद ने आगे कहा, महाविकास आघाड़ी सरकार आएगी, किसी ने यह सपने में भी नहीं सोचा था। सब यही सोच रहे थे कि एनसीपी तो अब खत्म हो गई। रोज सुबह उठो तो यही सबसे पहले सुनना पड़ता था कि पार्टी छोड़-छोड़ कर कौन गए। शाम तक राहत की सांस लेते थे कि चलो ये रह गए, वो रह गए। दूसरे दिन सुबह की शुरूआत भी उन्हीं खबरों के साथ होती थी। इतने लोग पार्टी छोड़ कर जा रहे थे कि हिसाब नहीं था। दोनों जेबें खाली होने पर जैसा महसूस होता है, वैसा हो रहा था। लेकिन शरद पवार के सोलापुर दौरे के बाद जो कुश्ती शुरू हुई वो चुनाव परिणाम आने के बाद ही जाक रुकी।

अबॉर्शन पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

विवाहित महिला भी सेक्शुअल असॉल्ट और रेप सर्वाइवर्स के दायरे में आती है। रेप की सामान्य परिभाषा यह है कि किसी महिला के साथ उसकी सहमति के बिना या इच्छा के खिलाफ संबंध बनाया जाए। भले ही ऐसा मामला वैवाहिक बंधन के दौरान हुआ हो। एक महिला पति के द्वारा बनाए गए बिना सहमति के यौन संबंधों के चलते गर्भवती हो सकती है। अंतरंग साथी की हिंसा एक वास्तविकता है और यह रेप में भी तब्दील हो सकती है... अगर हम इसे नहीं पहचानते हैं तो ये लापरवाही होगी। अजनबी ही विशेष तौर पर या खास मौकों पर यौन और लिंग आधारित हिंसा के लिए जिम्मेदार होते हैं, यह गलत और अफसोसनाक धारणा है। परिवार के लिहाज से देखा जाए तो महिलाएं सभी तरह की यौन हिंसा के अनुभवों से गुजरती हैं। ये लंबे समय से हो रहा है। रेप की परिभाषा में मेरिटल रेप को शामिल किए जाने की एकमात्र वजह एमटीपी एक्ट यानी मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी है। इसके कोई और मायने निकाले जाने पर एक महिला बच्चे को जन्म देने और ऐसे पार्टनर के साथ उसे पालने को मजबूर होगी, जिसने महिला को मानसिक और शारीरिक यातना दी है। हम यहां यह साफ करना चाहते हैं कि एमटीपी के तहत अबॉर्शन कराने के लिए महिला को यह साबित करने की जरूरत नहीं है कि उसका रेप हुआ है या सेक्शुअल असॉल्ट हुआ है।

आर्यों के बलिदान संघर्ष का साक्षी है हैदराबाद सत्याग्रह: योगाचार्य मंजूश्री हैदराबाद

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'हैदराबाद सत्याग्रह आर्य समाज का स्वर्णिम अध्याय' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह करोना काल में 449 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता माता द्रोपदी तनेजा (82 वर्षीय) ने कहा कि ऑनलाइन प्रोग्राम हम बजुर्गों के लिए वरदान साबित हुए,समय अच्छा कट जाता है।उन्होंने अपने मन की पीड़ा को व्यक्त करते हुए कहा कि हम अपने क्रांति वीरों को याद नहीं करते। 800 वर्षों तक भारत में मुसलमानों का राज्य रहा औरंगजेब ने हैदराबाद का शासन निजाम को दे दिया उसने हैदराबाद के हिन्दू शासक को मारकर स्वयं शासक बन गया और शासन किया उसके राज्य में मुसलमानों की संख्या 11% थी जबकि हिंदुओं की संख्या 89% थी, आर्य समाज हिंदुओं के फेवर में था,उसे देख निजाम चिड़ता था,1942 को अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन हो रहा था, प.राम प्रसाद बिस्मिल,भगत सिंह और अशफाकउल्ला खां ने आजादी के लिए कुर्बानी दी,हिन्सा होते ही महात्मा गांधी आंदोलन बंद करा देते थे।हैदराबाद के निजाम ने मंदिरों में घंटी, पूजा, ओम ध्वज, प्रभात फेरी पर प्रतिबंध लगा दिया था।उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध क्रांतिकारी सरदार भगत सिंह के दादा जी सरदार अर्जुन सिंह विशुद्ध आर्य समाजी थे और इनके पिता सरदार किशन सिंह जी भी आर्य समाजी थे,भगत सिंह के

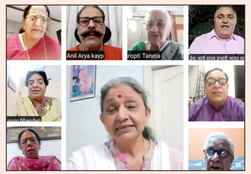

विचारों पर भी आर्य समाज के संस्कारों की छाप स्पष्ट दिखाई पड़ती है।सांडर्स को मार कर भगत सिंह आदि पहले तो लाहौर के डी.ए.वी.कालेज में ठहरे,फिर योजनाबद्ध तरीके से कलकत्ता जाकर आर्य समाज में शरण ली और आते समय आर्य समाज के चपरासी तुलसीराम को अपनी थाली यह कहकर दे आये थे कि 'कोई देशभक्त आये तो उसको इसी में भोजन करवाना'। दिल्ली में भगत सिंह, वीर अर्जुन कार्यालय में स्वामी श्रद्धानन्द और पंडित इन्द्र विद्यावाचस्पति के पास ठहरे थे क्योंकि उस समय ऐसे लोगों को ठहराने का साहस केवल आर्य समाज के सदस्यों में ही था। हैदराबाद में निजाम सरकार के विरूद्ध (सत्याग्रह चलाकर) जनता के हितों की रक्षा केवल आर्य समाजियों ने की है।पंजाब केसरी लाला लाजपत राय प्रसिद्ध आर्य समाजी नेता थे। राजस्थान केसरी कुंवर प्रताप सिंह वारहट, पं.राम प्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह, विष्णुशरण और उनके साथी पक्के आर्य समाजी थे,इनके सम्बन्ध में श्री मन्मथ नाथ गुप्त ने जो स्वयं क्रांतिकारी थे,ने साप्ताहिक हिन्दुस्तान के 13 जुलाई 1858 के अंक में लिखा था।फांसी के बाद राजेन्द्र लाहिड़ी के शव का तो आर्य समाजियों ने जुलूस निकाला था तथा सम्मानपूर्वक उसकी अन्त्येष्टि भी की थी। इसी प्रकार के और भी अनेक उदाहरण मिलते हैं जो यह सिद्ध करते हैं कि देश की स्वतन्त्रता की लड़ाई में आर्य समाज ने बढ़-चढ़कर हिस्सा ही नहीं लिया अपितु नेतृत्व भी किया है। नेता जी सुभाष के द्वारा आजाद हिन्द सेना का निर्माण और कार्य इतिहास में एक गौरवशाली स्वर्णिम अध्याय है। उक्त सेना के तीन प्रमुख नायकों में से सहगल आर्यसमाजी परिवार की ही देन थे। उनके पिता महाशय अछरू राम जी जाने माने आर्यसमाजी तथा कानून विद थे जब लालकिले में इस सेना पर अभियोग चला, तब इनके बचाव पक्ष के वकीलों की जो कमेटी बनी थी,उसमें बख्शी टेकचन्द तथा दीवान बदरी दास के रूप में आर्यसमाज ने योगदान करके अपनी राष्ट्रनिष्ठा को व्यक्त किया था। इसके अतिरिक्त सामान्य सैनिक के रूप में इस सेना में भर्ती होकर योगदान करने वाले आर्यसमाजियों की संख्या अनगिनत है। इस प्रकार हम देखते हैं कि सशस्त्र क्रान्तिकारी दल के माध्यम से भी आर्यसमाज देश की स्वाधीनता के लिए प्रयत्न करने वाले देशभक्तों की मुहिम में अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिखाई देता है।

सभी अधिकारी इमानदारी, वफादारी से समय पर करें कार्यो का निस्तारण - नेहरा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजस्थान राज्य के श्रम आयुक्त अंतर सिह नेहरा की अध्यक्षता में आज दिनांक 28 सितंबर 2022 को राज्य के प्रत्येक जिले में श्रम विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुऐ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक ली गई। विडियो कान्फ्रेंस के दोरान अतिरिक्त श्रम आयुक्त पतंजलि भू.मुख्य लेखाधिकारी संगीता सिह, संयुक्त श्रम आयुक्त प्रेम प्रकाश शर्मा, संयुक्त श्रम आयुक्त राजीव किशोर सक्सैना, संयुक्त श्रम आयुक्त अनुपम गौड़, बीओसीडब्ल्यू सलाहकार अनिल शर्मा ने श्रम विभाग के कार्मो की जानकारी लेते हुऐ, समीक्षा कर, निर्देश प्रदान करते हुए। अनकों समस्याओ के सामाधान किये। बैठक के दौरान माननीय मुख्यमंत्री महोदय की बजट घोषणा तथा लंबित प्रकरणों, आवेदनों के सत्यापन , लम्बित आवेदनों के सत्यापन, प्रगति रिपोर्ट की जानकारी के साथ ही प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना की जानकारी ली जा कर ,आवश्यक निर्देश प्रदान किये। भवन निर्माण श्रमिकों के आवेदनों मे सत्यापन, क्रोस वेरीफिकेशन, आवेदनों का अपलोड होने में शिथिलता एवं प्रगति की जानकारी ली। अन्य प्रकरण मुख्यमंत्री महोदय एवं मुख्य

सचिव स्तर के मामलों, मसलों में पेंडिंग है की समीक्षा कर जानकारी लेते हुए निर्देश प्रदान किए गए। बंधक श्रम एवं बाल श्रम में जिला स्तरीय बेठकों, निरीक्षण, तथा प्रगति पर संमीक्षा की। राज्य में निरीक्षकों के द्वारा निरीक्षण कार्य में शिथिलता एवं प्रगति पर जानकारी ली गई लेते हुऐ श्रम आयुक्त अंतर सिह नेहरा ने न्युनतम वेतन अधिनियम, वेतन भुगतान अधिनियम कृषि नियोजन तथा उपकर सेस में निरीक्षण एवं सेस वसूली, तथा सोप एंड कमर्शियल एक्ट, बाल श्रम अधिनियम, बंधक श्रम अधिनियम, आदि के निरीक्षण किया जाना मुख्य कार्य बताते हुऐ निरीक्षण में कमी नही रखने के निर्देश दिये। इस दौरान राज्य के प्रत्येक जिले से समीक्षा करते हुए सत्यापन रिपोर्ट अपलोड करने तथा विभिन्न योजनाओ के आवेदनों मे जानकारी लेते हुए, प्रगति पर समीक्षा की गई। सभी जिला कलेक्टर तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी से सम्पर्क बनाऐ रखते हुऐ आवेदनों में वेरीफिकेशन को पुरा कराने, सभी ग्राम विकास अधिकारियो की आई डी जारी होने आदि की जानकारी लेते हुए, किस तरह से आईडी बने एवं अपलोड करें इस पर संयुक्त श्रम आयुक्त उदयपुर सकित मोदी की विशेष प्रगति एवं जानकारी के लिए मोदी से समझा जाकर आईडी जारी कराने में सहयोग लेने के निर्देश दिए गए। सूचना को एक्सेल शीट में तैयार कर प्रस्तुत करने हेतु मुख्य कार्य कारी अधीकारी से सम्पर्क करने हेतु संयुक्त श्रम आयुक्त प्रेम प्रकाश शर्मा ने निर्देश दिए। ईश्रम पंजीयन में तेजी से प्रगति लाने हेतु श्रम आयुक्त अंतर सिंह नेहरा द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशासहयोगिनी, सभी जन प्रतिनिधियों आदि सहयोगी लोगों के द्वारा मिलकर इ श्रम पंजीयन में प्रगति लाएं।

भीलवाड़ा में सैकड़ों गायों को लम्पी रोग से बचाने के लिए आयुर्वेदिक लड्डू बनाकर खिलाए

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मोत्सव 'सेवा पखवाड़ा' के तहत आज भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष मंजू पालीवाल के नेतृत्व में प्रताप मंडल अध्यक्ष मधुबाला अग्रवाल, मण्डल प्रभारी इंदु बंसल के सानिध्य में अध्यक्ष मधुबाला अग्रवाल के सहयोग से सैकड़ों गौ माताओ को आयुर्वेदिक दवाई के लड्डू बनाकर विभिन्न गौशालाओं में खिलाएं।भाजपा जिला मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि इस कार्यक्रम में जिला मंत्री लक्ष्मी कवर, सुलक्ष्णा, आशा पुष्पा राघव, महामंत्री चंद्रकांता सर्वा, गंगा प्रजापत ,उज्जवला माली, सरोज कंवर, पुष्पा कवर, प्रिया माहेश्वरी, संगीता सेठ, रोशनी आदि उपस्थित थी उक्त जानकारी पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिए राजघाट पर उपवास: गुरुदीन वर्मा

मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। हिंदी राष्ट्रभाषा घोषित हो इस कामना हेतु प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा के संस्थापक कवि संगम त्रिपाठी गांधी जयंती के दिन सकितिक उपवास कर रहे हैं। उपवास दोपहर 12 बजे से 5 बजे तक किया जाएगा। कार्यक्रम गांधीवादी तरीके से आयोजित किया जाएगा। प्रेरणा हिंदी प्रचार सभा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने बताया कि इस अभियान के तहत विचार व काव्य गोष्ठी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने हेतु उनकी भूमिका पर परिचर्चा दोपहर 3 बजे प्रारंभ होगी व पत्रकार वार्ता शाम 4 बजे उपस्थित पत्रकारों से की जाएगी। कार्यक्रम स्थल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के शयनगंग राजघाट नई दिल्ली के समक्ष कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्म प्रकाश वाजपेयी जी करेंगे। जो कि अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेई विश्व सेवा संस्थान दिल्ली है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कवि प्रदीप मिश्रा अजनबी प्रांतीय संयोजक प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा दिल्ली रहेंगे। प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी चर्चित कवि गुरुदीन वर्मा आजाद ने कहा कि हिंदी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और उसकी प्रतिष्ठा को संवारने की जिम्मेदारी हम सब की है। हिंदी प्रचार प्रसार हेतु हम निरंतर कार्य कर रहे हैं व अपनी भाषा व संस्कृति को समृद्ध बनाने हेतु कार्य कर रहे हैं।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से नौनिहाल के बैग का बोझ कम नहीं होगा: धर्मेंद्र गहलोत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति नौनिहालों के स्कुल बैग का बोझ कम नही कर पायेगी यह उद्गार राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशिल) के जिला स्तरीय शैक्षिक अधिवेशन के समापन अवसर पर नवीन भवन सिरोही में शिक्षकों को संबोधित करते हुए प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने व्यक्त किये। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के प्रदेश मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार गहलोत ने कहा आप के परिवेश में देशभर में शिक्षा क्षेत्र में कई तरह के नये प्रयोग हो रहे है लेकिन शिक्षा के स्तर में कोई सुधार नहीं हो पा रहा है। सरकारी तथा निजी स्कूल में पढने वाले बच्चे पाठ्यक्रम के बोझ के तले दब रहे है। इस बोझिल पाठ्यक्रम से छात्र-छात्राओं पर शारीरिक एंव मानसीक दुष्प्रभाव पड रहा है। बच्चों के भारी स्कुली बैग को लेकर अभिभावक भी चिंतित नजर आ रहे है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति कि सार्थकता तब साबित होगी जब स्कूली बैग के पाठ्यक्रम को कम कर बोझिल शिक्षा प्रणाली से बच्चे मुक्त हो सके। प्राथमिक शिक्षा के ढांचे को मजबूत बनाने

में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भविष्य में असफल होती हुई नजर आ रही है। मीडिया प्रभारी के अनुसार महामंत्री डॉ. हनवन्त सिंह मेड़तिया ने बताया कि सरकार की कार्यालयों को पैपरलैस करने की मंशा होने के बावजूद भी लगभग सभी विभागों में ऑनलाईन के साथ ऑफलाईन हार्डकॉपी मांगता है जो सरकार के निदेर्शों की सरासर अवहेलना करना प्रतीत होता है। जिला अध्यक्ष देवेश खत्री ने कहा की शिक्षकों का प्रतिमाह वेतन समय पर नहीं दिया जाना विभाग की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। संगठन जिलें भर में व्यापक स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग कर प्रतिमाह पहली तारीख को वेतन व्यवस्था सुनिश्चित करवाने के लिए पूरजोर कोशिश करेगा। जिलामंत्री इनामुल हक कुरैशी ने संगठन की रीतिनीति के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि शिक्षकों से सम्बंधित विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए संगठन सदैव तत्पर रहा हैं। समापन समारोह को सभाध्यक्ष भगवत सिंह देवडा, सलाहकार विक्रम सिंह सोलंकी, संरक्षक जसवंत सिंह परमार, प्रदेश महिला मंत्री सविता शर्मा, अधिवेशन संयोजक इन्दरमल खंडेलवाल ने भी संबोधित किया।मीडिया प्रभारी वर्मा ने बताया कि इस अवसर पर अधिवेशन सह संयोजक रमेश परमार, अधिवेशन सचिव भीखाराम कोली, शिवगंज उपशाखाध्यक्ष छगन भाटी, पिंडवाड़ा उपशाखाध्यक्ष मनोहर सिंह चौहान, आबूरोड उपशाखाध्यक्ष सत्यनारायण बैरवा, रेवदर उपशाखाध्यक्ष विनोद नैनावत, देशाराम मीणा, रतिराम मीणा, जोराराम मेघवाल, रमेशलाल दहिया, धर्मेंद्र खत्री, धर्मेंद्र खत्री, कांतिलाल मीणा, हितेश पुरोहित, जयकिशन, किशोर कुमार, मधाराम नोंगिया, भंवर सिंह दहिया, रघुनाथ मीणा, अमित मालवीय, भगवत सिंह मोरली, हरीराम, रमेश रांगी, गुरुदीन वर्मा, प्रवीण जानी, शाइस्ता परवीन, सविता बैरवा, पूर्णिमा परिहार, कुसुम परमार, सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

अब्दुल अजीज प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किए गए

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। अपराध विशेषज्ञ अनुसंधान शाखा से अपराध अन्वेषक अब्दुल अजीज खान को प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट में राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है जिसके परिणाम स्वरूप अब प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट को कानूनी सलाह भी प्राप्त होगा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र कुमार पाण्डेय ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ से वार्तालाप करते हुए बताया कि अब्दुल अजीज खान जी के प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट में सम्मलित करने का उद्देश्य है हमारे किसी भी पदाधिकारी को अगर भविष्य में किसी भी प्रकार की कानूनी सलाह व मदद चाहिए तो वो अब्दुल अजीज खान जी से ले सकता है प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट ऐसा पत्रकारों का ट्रस्ट है जो अपने देश समाज और पत्रकार भाइयों के लिये उदगम किया गया है प्रेस वेलफेयर

फाउंडेशन ट्रस्ट जो पत्रकार सुरक्षा कानून की माँग कर रहा है उसमें अब्दुल खान जी की अहम भूमिका प्रस्तुत होगा आज जहां पर देखो वही पर मात्र पत्रकारों को निशाना बनाया जाता है इसी कारण से प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट देश में पत्रकार सुरक्षा कानून लाना चाह रहा है ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र कुमार पाण्डेय ने अब्दुल अजीज खान जी को सम्मानित पद पर नियुक्त करते हुये आवाहन किया कि आप सदैव के लिये ट्रस्ट को आगे बढ़ाये और देश के सभी पत्रकारों को प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट में सम्मलित होने का आग्रह किया गया हैं।

उत्तर भारतीय सेना के प्रमुख सुनील शुक्ला ने प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के चिन्ह का विमोचन किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। उत्तर भारतीय विकास सेना के प्रमुख सुनील शुक्ला अपने मुंबई कार्यालय से प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के चिन्ह का विमोचन किया और साथ में सभी पत्रकार भाइयों को प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट में आमंत्रित भी किया। सुनील शुक्ला आज कई वर्षों से समाजसेवा कर रहे अभी उन्होंने अपने परदेसी भाइयों के लिए उत्तर भारतीय विकास सेना का उदगम किया है इसी के जरिये वो सभी उत्तर भारतीयों तक पहुंचने का प्रयत्न कर रहे है। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट का आवाह्न है कि अगर आप में देश और समाज के लिये जज्बा है तो आइये प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के साथ हम हवा हवाई पर भरोसा नहीं रखते हैं। हम जमीनी स्तर से कार्य करते है तो आइए मिलकर देश और समाज को नई विकसित दिशा देने में प्रयत्न करते है। हम सब मिलकर पीड़ितों की आवाज बुलन्द करेंगे। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट पूरी निडरता और निष्ठा से कार्य कर रहा है। बस आपकी कमी है।

क्लींजिंग थेरेपी शरीर को स्वस्थ रखने के लिए महत्वपूर्ण कार्य करती हैं: डॉ यशपाल गुप्ता

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। टी.एम.एल.पी. एवं होलिस्टिक लाइफ केयर फाउंडेशन के तत्वावधान में 4 दिवसीय नेचरोपैथ/क्लींजिंग थेरेपी एवं योग का आवासीय कैंप,कल्पतरु आश्रम, मुरादनगर,गाजियाबाद में सोल्लास सम्पन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ श्री प्रवीण आर्य,एवं सरदार सरबजीत सिंह के द्वारा गाए भजनों की प्रस्तुति से हुआ। डा. पीयूष सक्सेना पी.एच डी.(नेचुरोपैथी) अमेरिका, प्रणेता किलींजिंग थेरेपी,सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (रिलायंस इंडस्ट्रीज) ने बताया कि क्लींजिंग थेरेपी की प्रासंगिक विधियों,नुस्खों को स्वयं पर, अपने माता पिता, पत्नी और पुत्र-पुत्री पर आजमाया है और उनके फायदों को जांचा परखा है। उन्होंने आगे कहा कि वे कोई फीस,डोनेशन आदि नहीं लेते और ना ही किसी कंपनी के उत्पादों का प्रचार प्रसार करते हैं। क्लींजिंग थेरेपी के प्रचार प्रसार से जनहित व आत्मसंतुष्टि ही उनका मुख्य ध्येय है।उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह हम टू व्हीलर, फॉर व्हीलर की सर्विस कराते हैं और सर्विस के बाद व्हीकल नए की

तरह चलता है उसी सिद्धांत पर हम शरीर पर कार्य कर रहे हैं।जीवन में यदि हम आंतरिक अंगों को क्लीन करते हैं तो 90% बीमारी से बचे रहते हैं। इससे एनर्जी लेवल बढ़ेगा, नींद अच्छी आएगी,आंखों के नीचे झाइयां चली जाएंगी, हिमोग्लोबिन का लेवल ठीक होगा, कमर दर्द, गुर्दे की पथरी गल कर निकल जाएगी, महिलाओं की पीसीओएस आदि समस्याएं ठीक होंगी। डॉ. यशपाल गुप्ता विशेषज्ञ किर्लीजिंग थेरेपी व कोडिनेटर उ.भारत) ने कहा कि क्लींजिंग से शरीर की खुद की मरम्मत करने की क्षमता अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाती है और वह अंदर से मजबूत हो जाता है क्लींजिंग थेरेपी शरीर को स्वस्थ रखने के लिए एक आदर्श स्थिति उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण कार्य करती है क्लींजिंग थेरेपी के महत्वपूर्ण क्लींजर्स खासकर लीवर में किडनी क्लीन को आप सप्ताह भर के भीतर ही सफलता पूर्वक अमल में ला सकते हैं आपको इसके चमत्कारिक परिणाम दिखेंगे एक हफ्ते में ही आपको अपना पेट साफ ना होने की समस्या में सुधार दिखाई देगा आपको अच्छी नींद आएगी और शरीर दर्द से भी राहत मिलेगी साथ ही रक्त में हीमोग्लोबिन स्तर में बढ़त,लीवर की कार्य क्षमता में सुधार तथा पेट की विभिन्न समस्याओं का समाधान वगैरह भी देखने को मिलेगा।आप पेशियों में अस्थियों से जुड़ी समस्या में राहत महसूस करेंगे और पहले की अपेक्षा रोजाना कम से कम 3 घंटे ज्यादा काम कर सकेंगे।आपका एनर्जी लेवल बढ़ जाएगा। अपने भीतर शरीर में ज्यादा शक्ति ऊर्जा का प्रत्यक्ष अनुभव होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर में आग लगने से फंसे 14 छात्र-छात्रायें, मुश्किल से बची जान

साकेत नगर स्थित दो मंजिला बिल्डिंग के बेसमेंट में शार्ट सर्किट से लगी आग बुझाने में लगे घंटों

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। गुरुवार की सुबह साकेत नगर स्थित दो मंजिला बिल्डिंग के बेसमेंट में बाइक एसेसीरिज के गोदाम में शार्ट सर्किट से आग लगने से 1 दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं के प्राण संकट में पड़ गए जिनकी जान बड़ी मुश्किल से बचाई जा सकी। मिली जानकारी के मुताबिक जिस समय यह घटना हुई उस समय दूसरी मंजिल पर कोचिंग सेंटर में पढ़ रहे 14 छात्र-छात्राएं फंस गए। जिसकी सूचना दिए जाने के बाद दमकल की पांच गाड़ियां पहुंचीं और कर्मियों ने सीढ़ी लगाकर सभी को सुरक्षित निकाल लिया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। जानकारी के मुताबिक साकेत नगर में विवेक सचान की दो मंजिला बिल्डिंग के बेसमेंट में सुमित मिश्रा का बाइक के एसेसीरिज का गोदाम

है।भूतल पर डायग्नोस्टिक सेंटर, पहली मंजिल पर जस्ट डायल और दूसरी मंजिल पर ग्लोबल करियर अकादमी है। यहीं पर आज गुरुवार सुबह करीब सवा 10 बजे गोदाम में शार्ट सर्किट से आग लग गई।कर्मचारियों ने पहले खुद बुझाने का प्रयास किया, लेकिन जब आग बढ़ने लगी तो मालिक व कंट्रोल रूम पर सूचना दी। इस दौरान शोर मचने पर अकादमी के 11 छात्र तो गैलरी में निकल आए लेकिन चार अंदर ही फंसे रह गए। जिन्हें बड़ी मुश्किल के बाद सकुशल बाहर निकाला जा सका घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस आयुक्त बीपी जोगदण्ड और जिलाधिकारी विशाख जी भी पहुंच गए। आग बुझने तक अफरातफरी मची रही। अधिकारियों ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। मामले की जांच भी की जा रही है।

प्रबोधकों की पुरानी सेवा की गणना करें सरकार: केसर सिंह चंपावत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के आसींद में अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ भीलवाड़ा के जिला शैक्षिक सम्मेलन सवाई भोज मंदिर परिसर आसींद में दिव्य एवं भव्य सम्मेलन के अध्यक्षीय उद्बबोधन में अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष केसर सिंह चंपावत ने कहा है कि जिला शैक्षिक सम्मेलन हम शिक्षकों के लिए राज्य सरकार द्वारा देय अवकाश मात्र नहीं है ' हम शिक्षा के क्षेत्र में किस प्रकार नवाचार एवं शैक्षणिक गतिविधियों को बाल ग्राहीएवं रोचकता के साथ साथ किस प्रकार गुणवत्ता युक्त शिक्षण करा सकें। इस ओर हमारा चिंतन और मंथन करने के लिए है। राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए लक्ष्य की पूर्ति करना हमारा नैतिक दायित्व है। जब प्रबोधक, पैरा टीचर्स, शिक्षाकर्मियों ने गांव -गांव ढाणी ढाणी में शिक्षा की अलख जगा कर राजस्थान की साक्षरता दर में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वालों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले अध्यापक ही हैं। चंपावत ने कहा कि कर्तव्य के साथ-साथ हमारे अधिकारों को भी नहीं भूलना चाहिए। आप सभी कर्मचारियों की मांगों के लिए अधिकारों का चौकीदार बनकर

उनकी रक्षा करना मेरा दायित्व है। प्रबोधकों की पुरानी सेवा की गणना राज्य सरकार करें, ताकि उनकी पिछली सेवा, पैरा टीचर्स, शिक्षाकर्मी, मदरसा कर्मी, लोक जुंबिश कर्मी के रूप में 1984 से अपनी सेवा प्रदान की है। का लाभ मिल सके 'भाजपा सरकार ने प्रबोधक बनाकर नियमित किया एवं कांग्रेस सरकार में माननीय मुख्यमंत्री अशोक जी गहलोत ने पुरानी पेंशन लागू की। हम उनका धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। प्रबोधक भर्ती से वंचित पैरा टीचर्स और संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों को राज्य सरकार अपने वादे के मुताबिक उन्हें नियमित करें। सरकार ग्रामीण क्षेत्र में सेवा दे रहे राज्य कर्मचारियों को 10% ग्रामीण भता दें। वेतन विसंगति निराकरण कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक कर कर्मचारियों को वेतन विसंगति दूर करें सरकार। इस अवसर पर चंपावत ने कहा कि अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत सात लाख कर्मचारियों का ट्रस्टी है। इनके हितों से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। कोविड-19 में चिकित्सा कर्मियों के साथ साथ लाखों शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए अध्यापकों ने अपनी जान को जोखिम में डालकर इस राष्ट्रीय आपदा में अपने नैतिक दायित्व का निर्वहन करते हुए लोगों की सेवा की एवं इस महामारी को नियंत्रित करने में महती भूमिका निभाई है। महासंघ इस प्रकार के राष्ट्रीय सरोकार से कभी दूर नहीं रहा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जबर सिंह सांखला विधायक आसींद, एवं अध्यक्षता केसर सिंह चंपावत ने की। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक सांखला ने कहा कि प्रबोधकों की मांगों को विधानसभा में उठाने का संकल्प लेते हुए कहा कि आपकी हर उचित मांगों को मैं विधानसभा में उठाकर राज्य सरकार से पूरा कराने का विश्वास दिलाता हूं। विशिष्ट अतिथि लादू लाल तेली भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा शासनकाल में ही पैरा टीचर्स, शिक्षाकर्मियों, मदरसा कर्मियों को तात्कालिक मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने प्रबोधक बनाकर नियमित किया।

कानपुर में पिता ने बेटी के प्रेमी को बेरहमी से उतारा मौत के घाट, गिरफ्तार

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। युवती से प्रेम करना एक युवक को बड़ा महंगा पड़ा उस युवती के पिता ने उसे बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया घटना के बाद उसे फरार होने के पहले गिरफ्तार भी कर दिया गया है। प्रेम संबंधों में हत्या की यह घटना ग्वालटोली थाना क्षेत्र के गंगा बैराज स्थित रामपुर लुधवाखेड़ा गांव में हुई। यहां पिता पुत्र ने पड़ोसी गांव के किशोर की बुधवार देर रात पीट-पीटकर हत्या कर दी और शव को ईटों से बांधकर तालाब में फेंक दिया। आज तालाब से उसका शव बरामद किए जाने के बाद पुलिस ने पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्जकर आरोपित पिता को गिरफ्तार कर लिया। जबकि हत्यारोपित पुत्र व अन्य आरोपित अभी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी लगातार की जा रही है। घटना के बारे में प्राप्त विवरण के मुताबिक गंगा बैराज स्थित रामपुर लुधवाखेड़ा गांव निवासी किसान बबलू निषाद का 14 वर्षीय पुत्र सौरभ सातवीं कक्षा का छात्र था। पुलिस को दी गई जानकारी के मुताबिक पड़ोसी गांव नत्थापुरवा के ऊदन निषाद को यह शक था कि सौरभ के उनकी बेटी से प्रेम संबंध है और वह उससे बात करता है। इसके शक में बुधवार देर रात ऊदन निषाद ने बेटे अमन के साथ मिलकर गांव के बाहर सौरभ की पीट-पीटकर हत्या करने के बाद उसके शव को ईटों से बांधकर तालाब में फेंक दिया।

राशिद अली को फिर एक बार मिली ईरा प्रदेश अध्यक्ष की कमान

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बहराइच। देश के सबसे बड़े पत्रकार संगठन इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन ने फिर से एक बार राशिद अली के ऊपर भरोसा करते हुए उत्तर प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी है बताते चलें कि चौथी बार राशिद अली को इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन ने उत्तर प्रदेश इकाई का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है संगठन के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जहांगीर ने जानकारी देते हुए बताया कि कुछ समय से इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की कमेटी भंग चल रही थी 2 दिन पूर्व झारखंड में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश कमेटी का गठन करने के साथ ही पूर्व में प्रदेश अध्यक्ष रहे राशिद अली को फिर से उत्तर प्रदेश इकाई की कमान सौंपी गई है श्री जहांगीर ने बताया कि फिर से प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए राशिद अली के अंदर पत्रकारों के प्रति लड़ाई का एक जज्बा है वह किसी भी दशा में पत्रकारों का उत्पीड़न कतई बर्दाश्त नहीं करते हैं देखने को यह मिला है कि कहीं पर भी पत्रकारों का उत्पीड़न अगर होता है प्रदेश अध्यक्ष राशिद अली उसके खिलाफ आवाज जरूर उठाते हैं और पूरी ईमानदारी के साथ में संगठन का काम करते हैं प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा किया करते हैं बैठक भी करते हैं कार्यक्रम का आयोजन करते हैं इसी सक्रियता को

देखते हुए फिर से एक बार राशिद अली को उत्तर प्रदेश इकाई का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राशिद अली में इस दौरान कहा कि फिर से मुझे प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के लिए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव भारद्वाज राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जहांगीर का आभार प्रकट करते हैं कि उन्होंने मेरे ऊपर भरोसा किया और पत्रकारों के हक की लड़ाई लड़ने के लिए फिर से मुझे प्रदेश अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया मैं पूरी ईमानदारी के साथ में विश्वास दिलाता हूं राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय महासचिव को की संगठन के प्रति पूरी ईमानदारी के साथ में काम करूंगा और अगर पूरे उत्तर प्रदेश में कहीं भी पत्रकारों के उत्पीड़न की जानकारी उनको मिलती है उन्हें अवगत कराया जाता है या सोशल मीडिया के माध्यम से कहीं से भी उनको अगर जानकारी प्राप्त होती है तो उसके विरुद्ध पूरी तरीके से लड़ाई लड़ेंगे और पत्रकारों को न्याय दिलाने के लिए काम करेंगे श्री अली ने बताया कि जल्द ही प्रदेश के सभी जिले में कमेटियों का गठन किया जाएगा और प्रदेश कार्यकारिणी के साथ ही मंडल कमेटी का भी गठन तेजी के साथ में किया जाएगा और संगठन में उन्हीं पत्रकारों को जोड़ा जाएगा तो संगठन के प्रति सच्ची आस्था रखते हुए लगन के साथ में पत्रकार हित में काम करेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सरसों तेल का देगा ब्यूटी से जुड़े 6 और सेहत के 5 फायदे

भारतीय रसोई में सरसों के तेल का इस्तेमाल खाना बनाने के लिए किया जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर सरसों का तेल हेल्थ और ब्यूटी दोनों के लिए फायदेमंद है। जोड़ों का दर्द हो या डल स्किन, यह एक औषधि की तरह हर समस्या का समाधान करता है। चलिए आज हम आपको सरसों के तेल के कुछ ऐसे फायदे बताते हैं, जिसे जानने के बाद आप भी इस्तेमाल शुरू कर देंगे।

सरसों के तेल के गुण - 1 टेबलस्पून (14) सरसों के तेल में 124 कैलोरी और 21% फैट होता है। इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट, सोडियम, काबोर्हाइड्रेट, डाइटरी फाइबर, प्रोटीन, विटामिन ए, सी, कैल्शियम, लोहा, विटामिन बी -6 और मैग्नीशियम जैसे गुण भी होते हैं, जो सेहत और ब्यूटी दोनों के लिए फायदेमंद होता है।

सरसों के तेल की तासीर - सरसों के तेल की तासीर गर्म होती है इसलिए इसका इस्तेमाल मसाज करने के लिए भी किया जा सकता है। गर्मियों में इसका इस्तेमाल कम मात्रा में करना चाहिए क्योंकि इससे शरीर को सरसों के तेल के फायदे

वजन घटाए - वजन कम करने का आसान तरीका है अपने मेटाबॉलिज्म बूस्ट करना। सरसों का तेल मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को सही बनाए रखने में मदद करता है। साथ ही इससे पाचन क्रिया भी दुरूस्त रहती है, जिससे वजन घटाने में काफी मदद मिलती है।

कैंसर से रखें दूर - रिसर्च द्वारा यह पता चला है की सरसों के तेल का उपयोग करने से कैंसर होने का खतरा कम होता है। सरसों के तेल में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो शरीर में कैंसर की गाठ को बनने से रोकता है। यह शरीर को अलग-अलग तरह के कैंसर से दूर रखता है।

दिल को बनाएं मजबूत - सरसों के तेल में पाएं जाने वाले तत्व शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करते हैं और साथ ही में कोलेस्ट्रॉल के संतुलन को बनाएं रखते हैं। यह मोटापे, ब्लडप्रेशर, हाइपरटेंशन की समस्या से छुटकारा दिलाता है।

भूख बढ़ाने में मददगार - अगर आपको भूख नहीं लगती है तो सरसों का तेल आपके लिए काफी फायदेमंद रहेगा। ये तेल पेट में ऐपिटाइजर के रूप में काम करता है, जिससे भूख बढ़ती है।

अस्थमा की रोकथाम - सरसों में पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है, जो अस्थमा के मरीजों के लिए फायदेमंद है। सर्दी हो जाने पर भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद - ड्राई स्किन दूर करने के लिए नहाने से पहले अपनी त्वचा की अच्छे से मालिश करें तो त्वचा मुलायम हो जाएगी और सारा दिन रुखी त्वचा की शिकायत नहीं होगी।

नैचुरल सनस्क्रीन - बाजार में बिकने वाले कैमिकल युक्त ब्यूटी प्रॉडक्ट के इस्तेमाल से फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है। मगर सरसों के तेल से बेहतर कोई सनस्क्रीन नहीं है। इसे त्वचा पर लगा कर सूरज की हानिकारक किरणों से बचा जा सकता है।

सांवलापन करे दूर - बेसन में नींबू का रस और सरसों का तेल मिलाकर चेहरे पर 10 से 15 मिनट तक लगाएं। फिर सादे पानी से चेहरा धो लें। इसके नियमित रूप से इस्तेमाल करने पर चेहरे पर चमक आती है और सांवलापन भी दूर होता है।

बालों के लिए वरदान - सरसों के तेल में ऐसे तत्व होते हैं, जो आपके बालों को लंबे समय तक काला बनाए रखते हैं। रूसी, खुजली, बालों का झड़ना जैसी समस्याओं से परेशान हैं तो सरसों का तेल हल्का गुनगुना करके हल्के हाथों से बालों की जड़ों पर मसाज करें। इसके बाद किसी माइल्ड शैंपू से बालों को धो लें। रोजाना ऐसा करने से आपको अच्छा रिजल्ट मिलेगा।

फटे होंठ - रात को सोने से पहले होठों पर दो से तीन बूंदे सरसों के तेल की लगाएं। फिर इसे ऊपर से लिप बाम से कवर कर दें। इससे एक दिन में ही आपके होंठ मुलायम हो जाएंगे।

नैचुरल स्किन ग्लो - यह त्वचा के रूखेपन को खत्म करते हुए स्किन पर ग्लो लाता है। वहीं अगर आप त्वचा का कालापन हटाना चाहती हैं तो सरसों के तेल को दही और नींबू के रस के साथ मिला लें और इससे बॉडी की मसाज करें। फिर साफ पानी से धो लें ।इससे बॉडी पर नेचुरल ग्लो आ जाएगा।

आपकी खिलखिलाती मुस्कुराहट को बरकरार रखेंगे ये 7 फूड्स

भले ही चेहरा कितना ही सुंदर क्यों न हो असली सुंदरता तो आपकी खिलखिलाती मुस्कुराहट पर टिकी होती है। मगर सही देखभाल के अभाव और प्लाक जमने के कारण दांत पीले व बदरंग नजर आने लगते है जिस वजह से अधिकतर लोग अपनी प्यारी सी मुस्कुराहट को भी छिपाने की कोशिश करते है। क्या आप भी दांतों के पीलेपन की वजह से अपनी मुस्कान को रोक कर रखती हैं अगर हां तो परेशान न हो क्योंकि आज हम आपको कुछ बेस्ट फूड्स बताएंगे जिन्हें खाने से आपके दांत हमेशा मोतियों की तरह चमकते नजर आएंगे।

गाजर कच्ची और कुरकुरी गाजर को खाने से न सिर्फ चेहरे पर ग्लो आता है बल्कि अधिक से अधिक बार चबाकर खाने से दांत मजबूत व उनका पीलापन भी दूर रहता है। दरअसल, चबाने से लार के उत्पादन उत्तेजित होते है जो मुंह में एसिड और एंजाइमों के असर को बेअसर करता है।

स्ट्रॉबेरी दांतों को चमकदार बनाने का सबसे टेस्टी और मजेदार उपाय है स्ट्रॉबेरी। इसमें मौजूद एस्कॉर्बिक एसिड ब्राइटनिंग प्रभाव से दांतों के धब्बों को दूर कर उन्हें सफेद और चमकदार बनाता है। इसके अलावा इसमें पॉलीफिनॉल मौजूद होता है जिसके सेवन से दांत बैक्टीरिया के प्रभाव से बचे रहते हैं।

सेब रोजाना ऐसे फल और सब्जियां खाए जिनमें फाइबर की मात्रा भरपूर हो क्योंकि इस तत्व में स्क्रबिंग प्रभाव अधिक देखने को मिलते है। अगर बात फाइबर रिच फल की करें तो सेब सबसे अच्छा स्त्रोत है जिसका रोजाना सेवन करने से मसूढ़े स्वस्थ और दांत मजबूत होते हैं। इसके अलावा इससे दांत साफ व उनमें सडन पैदा करने वाले बैक्टीरिया दूर रहते हैं।

नारियल तेल नारियल तेल मुंह में माउथवॉश की तरह इस्तेमाल किया जा सकता हैं। नारियल तेल ओरल बैक्टीरिया से लड़ने के लिए काफी फायदेमंद है। इसमें मौजूद एंजाइम मुंह से जर्म्स को बाहर निकाल फैंकते है और दांतों व मसूढ़ों को स्वस्थ रखते हैं।

करौंदा करौंदा में पोलीफेनोल्स मौजूद होता है जो प्लाक को दांतों मे जमने से रोकता है और दांतों की कैविटी से रक्षा करता है। इस्तेमाल करने से पहले आपको बता दें कि यह फल काफी तीखा होता है जिसे आप मीठी मिलाकर भी खा सकते हैं।

अजवाइन अजवाइन न सिर्फ आपकी सेहत बल्कि दांतों के लिए भी फायदेमंद साबित होती हैं। अजवाइन चबाने से मुंह में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया मर जाते हैं। अगर आप अपने दांतों को स्वस्थ व साफ रखना चाहते है तो रोज अजवाइन के पानी से कुल्ला करें। इससे काफी फायदा मिलेगा।

कच्चे फल और सब्जियां कच्ची सब्जियां और फल खाने से कैविटी दूर और सांस तरोताजा बनी रहती है। इसलिए केले, सेब, संतरे और गाजर आदि को अपनी डेली रूटीन में शामिल करें। इससे न सिर्फ दांत साफ रहेंगे बल्कि उनके जुड़ी हर परेशानी दूर रहेगी।

सफेद दांतों के लिए घरेलू टिप्स

हफ्ते में 1 बार आधा छोटे चम्मच नमक में 2 बूंदे सरसों के तेल की मिलाएं। फिर इससे दांतों को स्क्रब करें।
रोज खाना खाने के बाद नींबू के छिलके से दांतों को रगड़ें। इससे दांतों का पीलापन व उनमें फंसी गंदगी भी दूर होगी।

➤➤➤ 1 चम्मच नींबू के रस में उनकी ही मात्रा में पानी मिलाएं। फिर इससे कुल्ला करें।
➤➤➤ एप्पल साइडर विनेगर पानी को समान मात्रा में मिलाएं और कुल्ला करें।
➤➤➤ संतरे के पाउडर से दांतों की हल्के हाथों से मसाज करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

तापसी पन्नू के बारे में करण जौहर ने खुद किया खुलासा

कॉफी विद करण सीजन 7 के आखिरी एपिसोड में मीडिया इन्फ्लूएंसर दानिश सैत, तन्मय भट्ट, निहारिका एनएम और कुशा कपिला ज्यूरी की भूमिका निभाते हुए नजर आए। वहीं इस दौरान इन सभी ने करण जौहर से भी कई मजेदार और तीखे सवाल पूछे। इस लास्ट एपिसोड में करण खुद के ही शो में आलिया भट्ट से लेकर तापसी पन्नू से जुड़े कई सवालों के जवाब देते दिखे। फेमस सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर कुशा कपिला ने करण से पूछा, पिछले दो सालों में अहम सफलता हासिल करने वाले कई एक्टर्स को अभी तक कॉफी विद करण में नहीं बुलाया गया है। इन्हीं में से एक हैं तापसी पन्नू। क्या शो में बुलाने के लिए कोई जांच प्रक्रिया है? कुशा के इस सवाल पर करण ने कहा, यह 12 एपिसोड का शो था, जिसमें आपको कॉम्बिनेशन चाहिए होता है। इसी के साथ करण ने आगे कहा, मैं तापसी से बस इतना ही कहना चाहता हूं कि हम एक कॉम्बिनेशन पर काम करेंगे और जब मैं उन्हें शो के लिए बुलाऊंगा और उन्होंने मुझे मना कर दिया, तो मुझे दुख होगा, बता दें कि कुछ वक्त पहले एक्ट्रेस से जब काफी विद करण में न बुलाने को लेकर पूछा गया तो एक्ट्रेस ने कहा था कि उनकी सेक्स लाइफ इतनी एक्साइटेड नहीं थी कि उन्हें शो में बुलाया जाए। अपनी फिल्म दोबारा के प्रमोशन के दौरान तापसी पन्नू ने करण जौहर के शो कॉफी विद करण में ना बुलाने पर जवाब देते हुए कहा था कि मेरे पास एक उबाऊ जीवन है, आप मुझसे क्या पूछेंगे? कौन से लिंकअप, कौन से रिश्ते? मेरे जीवन के सभी रोमांचक हिस्से खुले हैं।

दीपिका पादुकोण की फिर बिगड़ी तबीयत

दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की सबसे पॉपुलर एक्ट्रेसेस में से एक है। आज वो अपने करियर की बुलंदियों पर है। एक्ट्रेस के पास नाम, शौहरत और सभी तरह के ऐशो- आराम है, लेकिन उनसे जुडी अब एक ऐसी खबर सामने आई है कि जिसके बाद दीपिका के फैंस टेंशन में जायेंगे। आपको बता दे, एक्ट्रेस की तबियत कुछ ठीक नहीं है। हाल ही में खबर आई थी कि दीपिका पादुकोण को हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया था। वही अब एक बार फिर दीपिका की तबियत इस कदर बिगड़ी की देर रात उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। अचानक ही एक्ट्रेस की हालत खराब हो गई और उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बता दे, दीपिका को बेचैनी और सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार की शाम को दीपिका अस्पताल में भर्ती हुई थीं। जहां, उनके कई टेस्ट किए गए जिसमें उन्हें आधा दिन लग गया। वही, अब उनकी हालत बेहतर बताई जा रही है। लेकिन दीपिका या उनकी टीम ने अभी तक उनकी सेहत को लेकर कोई बयान नहीं दिया है।

फिल्में फ्लॉप होने की वजह से आयुष्मान ने घटाई फीस

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना ने अपनी फीस को कम करने का फैसला लिया है। दरअसल इन दिनों आयुष्मान की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पा रही हैं। इस वजह से उन्होंने अपनी फीस में 10 करोड़ रुपए की कटौती की है। खबर के मुताबिक आयुष्मान खुराना साइनिंग फीस के तौर पर 25 करोड़ रुपए लेते हैं, लेकिन अब उन्होंने इसे घटाकर 15 करोड़ रुपए कर दिया है। आयुष्मान से जुड़े एक सोर्स ने बताया, आयुष्मान की फीस 25 करोड़ रुपए से 15 करोड़ रुपए पर आ गई है, जिसकी वजह 'अनेक' और 'चंडीगढ़' करे आशिकी' है। दरअसल, आयुष्मान की अपकमिंग फिल्म के प्रोड्यूसर्स ने उन्हें उनकी फीस कम करने की रिक्वेस्ट की और उन्हें इस कठिन समय में सपोर्ट करने को कहा। वहीं आयुष्मान ने भी इस पर हां कह दिया और तुरंत अपनी फीस घटाकर 15 करोड़ रुपए कर दी।